दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 99 जुलाई-अगस्त 2014 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री द्वारा पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) की नई वेब एप्लिकेशन का उद्घाटन (8 अगस्त, 2014)

माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा विज्ञान भवन में दिल्ली पुलिस द्वारा लॉंच पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) की नई वेब एप्लिकेशन का उद्घाटन



विज्ञान भवन में माननीय गृहमंत्री का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त



महामहिम उपराज्यपाल का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त

8 अगस्त, 2014 को **माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस द्वारा लॉंच की गई पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) की नई वेब एप्लिकेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह के साथ मंच पर **केन्द्रीय गृह सचिव श्री अनिल गोस्वामी, उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग, अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक श्री सैयद आसिफ इब्राहिम, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्री एस.बी.के.सिंह तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर** उपस्थित थी।

विशेष शाखा द्वारा उठाये गये इस सार्थक और जन कल्याणकारी कदम के लोकापर्ण के अवसर पर सभागार में सेवानिवृत पुलिस आयुक्त श्री अरूण भगत, श्री टी.आर. कक्कड़, श्री बी.के.गुप्ता तथा दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। इसके अलावा कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रदेश के अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय, विधायकगण, निगम पार्षद एवं दिल्ली शहर की विभिन्न आर.डब्लू.ए. के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा शुरू की गई इस जनहित पहल के बारे में जानकारी हासिल की।



बटन दबाकर वेब एप्लिकेशन का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि

इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली पुलिस जनता को बेहतर और विश्वसनीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर आधुनिक तकनीक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के लिए प्रयासरत रहती है। 27 मार्च, 2014 को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा द्वारा लॉंच 'लॉस्ट रिपोर्ट' और 8 मई, 2014 को यातायात पुलिस द्वारा लॉंच 'मोबाइल एप्लिकेशन' और अपग्रेडिड वेबसाइट की शुरूआत करने पर जनता की तरफ से पुलिस को काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इन दोनों वेब एप्लिकेशन की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र कुछ महीनों में ही इसे लगभग 4 लाख लोगों ने अपलोड कर अपनी रिपोर्ट दर्ज की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा अभी हाल के दिनों में जनहित में उठाया गया यह तीसरा बड़ा एवं प्रशंसनीय कदम है। प्रतिवर्ष पीसीसी के लिए आवेदन करने वाले लगभग सवा लाख नागरिकों के लिए यह एक कल्याणकारी साबित होगा। पुलिस आयुक्त महोदय ने विशेष शाखा के पदाधिकारियों और इस वेब एप्लिकेशन को तैयार करने में सहयोग करने वालों की जमकर प्रशंसा की।

केन्द्रीय गृहमंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह ने पीसीसी वेब एप्लिकेशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली पुलिस इसी तरह समर्पण, विश्वास और जिम्मेदारी के साथ लोगों की सेवा करते हुए स्वयं को देश की एक मॉर्डन पुलिस के तौर पर स्थापित करने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस अपनी आन–बान–शान की प्रतीक वर्दी पर कदापि कोई दाग नहीं लगने देगी। गृह मंत्रालय भी दिल्ली पुलिस की प्रतिष्ठा, सम्मान व रक्षा के लिए पूरा संरक्षण देगा और साथ ही उम्मीद करेगा कि दिल्ली पुलिस भी ईमानदारी, निष्ठा और तत्परता से लोगों की निष्काम सेवा करती रहे। श्री सिंह ने कहा केन्द्र सरकार चाहती है कि दिल्ली पुलिस एक आदर्श पुलिस बल और दिल्ली एक आदर्श राज्य के रूप में लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि देश आज विश्वसनीयता के संकट से जूझ रहा है। परन्तु मुझे विश्वास है कि दिल्ली पुलिस चाहे झुग्गी–झौपड़ियों में रहने वाले हों या फिर आम शहरी हों, सबका सहयोग प्राप्त करने और उनका भरोसा जीतने में कामयाब होंगी। पुलिसकर्मी इसे एक चुनौती के रूप में लेंगे और लोगों में अपनी साख और भरोसा बनाये रखने के लिए पूरी निष्ठा व गंभीरता से काम करेंगे।



समारोह के मुख्य अतिथि के विचार सुनते हुए वरिष्ठ अधिकारी

विशेष शाखा द्वारा लॉंच की गई इस पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) का मुख्य उद्देश्य ऐसे युवाओं/नागरिकों को लाभान्वित करना है जिन्हें वीजा के लिए दूतावास में आवेदन करते समय, किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नौकरी प्राप्ति के दौरान या फिर किसी कम्पनी व संगठन द्वारा नौकरी पर रखे कर्मचारियों के लिए पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट की जरूरत होती है। पहले पीसीसी प्राप्ति की प्रक्रिया में 15/20 दिनों से ज्यादा तक का वक्त लग जाता था। परन्तु इस वेब एप्लिकेशन के शुरू होने से आवेदनकर्ता मात्र सात कार्य दिवसों के अंदर अपनी ई–मेल पर एक डिज़िटल हस्ताक्षरित पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेगा। इस वेब एप्लिकेशन का लाभ सरकार की तयशुदा फीस प्रति व्यक्ति 250 रूपये व निजी संस्थाओं द्वारा 500 रूपये ऑनलाइन भुगतान करके उठाया जा सकता है। अब नागरिकों को पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट के लिए किसी थाने या पुलिस कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी।

अंत में **विशेष पुलिस आयुक्त गुप्तचर श्री एस.बी.के. सिंह** ने मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह एवं पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी के आर्शीवचन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों, विधायकों, निगम पार्षदों एवं उपस्थित जनसमूह को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि विशेष शाखा द्वारा पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट के लिए शुरू की गई इस वेब एप्लिकेशन से लाखों लोग लाभान्वित होंगे। विशेष शाखा का सतत् प्रयास होगा कि इस वेब एप्लिकेशन का सुचारू एवं सफल संचालन रहे ताकि इच्छुक आवेदनकर्ता इसका भरपूर फायदा उठा सके। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा शुरू की गई यह पहल भविष्य में कल्याणकारी एवं लाभदायक सिद्ध होगी।



समारोह में आमंत्रित जनप्रतिनिधि

आईटीओ चौराहे पर मैट्रो द्वारा निर्मित सब–वे का पुलिस आयुक्त एवं मैट्रो प्रमुख द्वारा उद्घाटन



8 जुलाई, 2014 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** एवं **डीएमआरसी प्रमुख श्री मंगू सिंह** द्वारा आईटीओ चौराहे पर नवनिर्मित भूमिगत पारपथ (सब–वे) का उद्घाटन करने के बाद उसे जनता के इस्तेमाल हेतू खोल दिया गया है। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस व डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। दिल्ली के सबसे व्यस्तम चौराहों में शामिल आईटीओ चौक पर यह भूमिगत पारपथ पुलिस मुख्यालय और इंजीनियरिंग भवन की तरफ खुलता है। बिना किसी यातायात व्यवधान के इस भूमिगत पारपथ को पुशिंग बाक्स तकनीक से बनाया गया है। 71 मीटर लम्बे, 5 मीटर चौड़े व 9 मीटर गहरे भूमिगत पारपथ बनने से आईटीओ चौराहे पर सड़क पार करना पैदल यात्रियों के लिए सुविधाजनक हो गया है।





हमें गर्व है अपने पुलिस पदक विजेताओं पर

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2014) के अवसर पर दिल्ली पुलिस के 20 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को, जिनमें एक को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक, 2 को वीरता के लिए पुलिस पदक, 2 को विशिष्ठ सेवाओं के लिए राष्ट्र के पुलिस पदक तथा 15 को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। स्व. हैड कां. रामकिशन व स्व. हैड कां. यशपाल राठी को (मरणोपरांत) राष्ट्रपति के पुलिस पदक से **वीरता के लिए,** जबकि कांस्टेबल उमेश कुमार (अब हैडकां0), को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से एवं उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा) श्री प्रभाकर तथा एसीपी श्री अशोक कुमार शर्मा को **विशिष्ठ सेवाओं** के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से और उपायुक्त पुलिस श्री भैरों सिंह गुज्जर, उपायुक्त पुलिस श्री एस.डी.मिश्रा, उपायुक्त पुलिस श्री जगजीत सिंह देसवाल, उपायुक्त पुलिस श्री शरत कुमार सिन्हा, एसीपी श्री संदीप बयाला, एसीपी श्री दीवान चंद शर्मा, एसीपी श्री सत्यवीर सिंह, एसीपी श्री महेश कुमार थौलिया, एसीपी श्री नरेन्द्र कुमार बिष्ट, इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार तुली, एस.आई मातादीन, महिला एसआई दुर्गा कापरी, एसआई सज्जन कुमार, एसआई सत्यवान तथा कां0 रामबीर सिंह को **सराहनीय सेवाओं के लिए** पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित



है.कां. रामकिशन (मरणोपरांत)



है.कां. यशपाल (मरणोपरांत)



कां. उमेश कुमार (अब है.कां.)

विशिष्ठ सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित



उपायुक्त पुलिस श्री प्रभाकर



सहायक पुलिस आयुक्त श्री अशोक कुमार शर्मा

सराहनीय सेवाओं के पुलिस पदक से सम्मानित



उपायुक्त पुलिस
श्री भैरोसिंह गुर्जर



उपायुक्त पुलिस
श्री एस.डी. मिश्रा



उपायुक्त पुलिस
श्री जगजीत सिंह देसवाल



उपायुक्त पुलिस
श्री शरत कुमार सिन्हा



सहायक पुलिस आयुक्त
श्री संदीप बयाला



सहायक पुलिस आयुक्त
श्री दीवानचंद शर्मा



सहायक पुलिस आयुक्त
श्री सत्यवीर सिंह



सहायक पुलिस आयुक्त
श्री महेश कुमार थौलिया



सहायक पुलिस आयुक्त
श्री नरेन्द्र कुमार बिष्ट



निरीक्षक
श्री प्रवीण कुमार तुली



उप निरीक्षक
श्री मातादीन



उप निरीक्षक
श्रीमती दुर्गा कापरी



उप निरीक्षक
श्री सज्जन कुमार



उप निरीक्षक
श्री सत्यवान



सिपाही रामबीर सिंह

पुलिस मुख्यालय सहित जिला/इकाईयों में भी तिरंगा फहराया गया

15 अगस्त, 2014 की प्रातः 68वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय तथा दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/इकाईयों में भी तिरंगा फहराया गया। देश के ऐतिहासिक स्थल लाल किला पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र कुमार मोदी द्वारा झंडारोहण के बाद पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने सलामी ली और तिरंगा फहराया। इस अवसर पर तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता के लिए, विशिष्ठ सेवाओं के लिए तथा सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित होने वाले 20 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी। इस मौके पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध के प्रति संवेदनशील रहे और तत्काल मामला दर्ज कर जांच अमल में लाए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को भ्रष्टाचार से दूर रह कर ईमानदारी के साथ नागरिकों की सेवा करनी चाहिए। हमें हर शिकायतकर्ता की बात इत्मीनान से सुननी चाहिए और उसकी शिकायत पर तत्काल कानूनसम्मत् कार्यवाही भी करनी चाहिए। भ्रष्टाचार रोकथाम के लिए सतर्कता शाखा ने विशेष मोबाइल नं0 9910641064 एवं विशेष हैल्पलाइन 1064 शुरू की गई। जो साफ–सुथरी पुलिस कार्यवाही और व्यवस्था में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत के समाधान हेतु पुलिस के पीछे नहीं बल्कि पुलिस शिकायतकर्ता के पीछे रहते हुए उसकी शिकायत का समाधान करें।



स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाश से चमचमाता पुलिस मुख्यालय



पुलिस मुख्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण करते हुए पुलिस आयुक्त



वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए



ध्वजारोहण के पश्चात् पुलिस कर्मियों से बातचीत करते हुए



अपने शीर्षस्थ अधिकारी के साथ प्रसन्नचित मुद्रा में पुलिसकर्मी

फोटो: बुलंद

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों के घर – घर जाकर तिरंगा फहराया



प्रताप नगर थानाध्यक्ष युद्धवेद्ध मान वरिष्ठ नागरिक को तिरंगा भेंट करते हुए

दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों के चेहरों पर मुस्कान लाने, उनके लिए स्वतंत्रता दिवस को खास बनाने और अपनी ड्यूटी बोध को सार्थक करने के उद्वेश्य से इस वर्ष 68वें स्वतंत्रता दिवस की प्रातः लगभग साढ़े उन्नीस हजार वरिष्ठ नागरिकों के घर–घर जाकर उन्हें तिरंगे भेंट किये। विशेषतौर पर बनवाये गये दो फीट लम्बे और एक फुट चौड़े झंडे जो 2.5 फुट की लकड़ी में लगे हुए थे, को बीट कांस्टेबल/हैडकांस्टेबल/डिविजन अफसर/थानाध्यक्ष और एसीपी के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को भेंट करने के साथ–साथ उन्हें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई। सुबह 8 बजे से दोपहर तक बुजुर्गो को मिले इन तिरंगें झंडों ने उनके चेहरे पर खुशी ला दी। पुलिस की इस पहल को सभी वरिष्ठ नागरिकों ने काफी सराहा और इस सम्मान के लिए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

दानिप्स/पोंडिप्स/हैडकां० (मिनिस्ट्रीयल) व कां० (ड्राइवर) की पासिंग आउट परेड सम्पन्न

1 अगस्त, 2014 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में पासिंग आउट परेड़ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने मुख्य अतिथि के तौर पर परेड़ की सलामी ली। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री जे.के. शर्मा, श्री किशन कुमार, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.एन.श्रीवास्तव, श्री एस.बी.के.सिंह, श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, श्री अनिल कुमार ओझा, जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत व एसीपी/पीआरओ श्री अनिल कुमार के अलावा भारी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों के परिजन, सेवानिवृत पुलिस अधिकारी, जवान एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर सरकारी स्कूल के करीब 400 छात्र/छात्राओं को भी परेड देखने के लिए आमंत्रित किया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों में पुलिस की छवि को मजबूत करना और उन्हें पुलिस जैसे अनुशासित विभाग में भर्ती होने के लिए प्रेरित करना था।







इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेवाकाल के दौरान आज ली गई इस शपथ को सदैव ध्यान में रखें और निस्वार्थ एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के लम्बे सेवाकाल के दौरान आपको प्रलोभन से दूर रहते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रत्यनशील रहना होगा। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के स्लोगन **शांति–सेवा–न्याय** की गरिमा बनाए रखें और उसके उद्देश्य को चरितार्थ करें। पुलिस आयुक्त महोदय ने पुलिस मुख्यालय में महात्मा गांधी के चित्र के नीचे लिखे **"पीड़ पराई जाणे रे"** का जिक्र करते हुए कहा कि उस वाक्य को आत्मसात् करें। दूसरों की पीड़ा को महसूस करते हुए कानूनसम्मत पीड़ितों की मदद करें। दिल्ली राजधानी होने के नाते यहां नित् नई–नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप अभी प्राप्त प्रशिक्षण, अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्ग–दर्शन, शैक्षिक योग्यता और विवेक के आधार पर समस्याओं से बखूबी निपटने के लिए सक्षम हैं। आप सभी भाग्यशाली है कि आप पुलिस जैसे अनुशासित विभाग का हिस्सा बनें हैं। आजकल प्राइवेट सेक्टर में जहां एमबीए जैसे उच्च शिक्षित युवक 15/20 हजार रूपये में अपनी सेवा दे रहे हैं वहीं दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल को लगभग 25 हजार रूपये तनख्वाह मिलती है। इसीलिए अपने दायित्व को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निष्पादित करें।

प्रशिक्षित दानिप्स एवं पोंडिप्स पुलिस अधिकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ



फोटो रोज़र

दानिप्स/पोंडिप्स प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों में एसीपी सुश्री सुमनकांत झा को सर्वश्रेष्ठ, एसीपी सुश्री तनु शर्मा को इनडोर, एसीपी अवनीश कुमार को आउटडोर तथा एसीपी श्री रजनीश कुमार को फायरिंग में श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी चुना गया। जबकि हैडकां (मिनिस्ट्रीयल) में हैडकां पवन कुमार को सर्वश्रेष्ठ और हैडकां0 अशोक कुमार को आउटडोर में श्रेष्ठ और प्रशिक्षु चालकों में कां0 (चालक) राज कुमार को सर्वश्रेष्ठ व इंडोर में श्रेष्ठ तथा कां0 (चालक) चाणक्य को श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने उन्हें ट्रॉफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को क्रिमिनल लॉ, पुलिस प्रैक्टिकल वर्क, इनवेस्टीगेशन आदि में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षु दानिप्स/पॉडिप्स पुलिस अफसरों को देश के विभिन्न भागों जिसमें मुम्बई, बेंगलूर, चैन्नई, हैदराबाद व पुदुचेरी आदि शामिल हैं, का भ्रमण कराया गया ताकि वे वहां प्रचलित पुलिस आयुक्त व्यवस्था को समझ सके।

विभिन्नता में एकता का प्रतीक रहे इन सभी प्रशिक्षाणार्थियों में देश के विभिन्न राज्यों/प्रांतों का प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। 14 दानिप्स/पोंडिप्स पुलिस अधिकारियों में 1 एलएलएम, 3 एमएससी, 2 एम.ए, 1 एलएलबी, 2 बी–टेक, 1 बीएड, तथा 4 बीए तक शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं जबकि हैडकां0 (मिनिस्ट्रीयल) में 1 एमएससी, 4 एमए, 2 एमबीए, 1 एमसीए, 1 बीटेक, 7 बीएससी, 5 बीकॉम, 19 बीए, 1 बीसीए तथा 7 बाहरवीं कक्षा पास प्रशिक्षाणार्थी शामिल हैं। इसके अलावा 642 कांस्टेबल 'ड्राइवरों' में 18 एमए, 239 बीए, 286 बाहरवीं तथा 99 मैट्रिक पास प्रशिक्षणार्थियों ने पुलिस सेवा की शुरूआत की है।

अंत में पुलिस आयुक्त महोदय ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को उनके सफल सेवाकाल के लिए मुबारकबाद देते हुए कहा कि वे सदैव जनता की सेवा के लिए समयानुसार अपनी पेशेवर निपुणता में सुधार लाते रहें। उन्होंने विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (प्रधानाचार्य/प्रशिक्षण) श्री अनिल कुमार ओझा, उपप्रधानाचार्य उपायुक्त पुलिस श्री सुवाशीष चौधरी और अन्य प्रशिक्षण देने वाले स्टाफ को बधाई दी और उनके काम को सराहा।

पुलिस आयुक्त द्वारा पीटीसी में साइबर लैब का उद्घाटन



पासिंग आउट परेड समारोह की समाप्ति के उपरांत पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने झाड़ौदा कलां स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में साइबर लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री किशन कुमार सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में साबइर क्राइम से जुड़े मामलों में लगातार इज़ाफा हो रहा है। साइबर क्राइम एक ऐसा अपराध है जिसका कोई अधिकार क्षेत्र और सीमा नहीं होती। इसीलिए इससे निपटने के लिए प्रशिक्षित और अनुभवी पुलिसकर्मियों की जरूरत होती है जो साइबर क्राइम से जुड़े मामलों की ठीक से जांच कर सके। उनके लिए यह साइबर लैब काफी कारगर एवं मददगार साबित होगी। आने वाले समय में एसआई से लेकर एसीपी स्तर तक के पुलिस अधिकारी ट्रैनिंग लेकर साइबर क्राइम से जुड़े मामलों को सुलझाने में कामयाब होंगे। प्रशिक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों को साइबर सुरक्षा, कानूनी पहलूओं, डाटा रिकवरी और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम, फॉरेंसिक टूल्स, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों आदि के बारे में बताया जाएगा। फिलहाल इस साइबर लैब में अपराध शाखा व विशेष प्रकोष्ठ से जुड़े अधिकारियों एवं जवानों को प्रशिक्षित किया जाएगा।



पुरस्कार विजेता एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी



करावल नगर में हुए भाई बहन के दोहरे हत्याकांड को सुलझाने में अपराध शाखा की टीम कामयाब



अपराध शाखा की टीम विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन के साथ

14 अगस्त, 2014 की रात करावल नगर इलाके में चोरी की नीयत से घुसे दो बदमाशों द्वारा की गई एक 18 वर्षीय लड़की एवं उसके 9 वर्षीय भाई की सनसनीखेज हत्या की वारदात को सुलझाने में अपराध शाखा को शानदार कामयाबी मिली है। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अशोक चांद के मार्गदर्शन और उपायुक्त पुलिस श्री एम.ए.रिजवी के नेतृत्व में एसीपी श्री जिले सिंह की टीम इंस्पेक्टर देवेन्द्र कुमार, एसआई विरेन्द्र सिंह, एएसआई जसविन्द्र सिंह, एएसआई हरवीर सिंह, हैडकां0 विरेन्द्र सिंह, हैडकां0 विक्रम सिंह, कां0 विपिन, कां0 सूर्याप्रकाश, महिला कां0 रीमा तथा कां0 संतोष ने अच्छी सूझबूझ, पेशेवर पुलिस कार्य पद्धति और अथक परिश्रम से इस संगीन मामले को सुलझाने में कामयाबी पायी। इस **संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र कुमार यादव** ने संवाददाताओं को बताया कि घटना के समय दो बदमाश चोरी की नीयत से घर में घुसे थे। इस दौरान घर में मौजूद पीड़ित लड़की के नींद से उठ जाने पर एक बदमाश ने उस पर किसी हथियार से हमला कर दिया। लड़की के बेहोश होने पर उस बदमाश ने उसके साथ बलात्कार भी किया। इसी दौरान लड़की का 9 वर्षीय भाई भी जाग गया। जिसे बदमाशों ने शोर मचाने और पहचाने जाने के डर से मार डाला। दोनों बदमाश घर से मृतक लड़की का मोबाइल फोन और उसके पर्स से 1200 रूपये चोरी कर भाग गये थे। इस वारदात को सुलझाने वाली जाबांज पुलिस टीम को 21 अगस्त, 2014 को पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने शाबाशी दी।

17 से ज्यादा संगीन वारदातों में शामिल कुख्यात बदमाश स्पेशल सेल के साथ मुठभेड़ में मारा गया

स्पेशल सेल के एसीपी श्री सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मनोज दीक्षित व इंस्पेक्टर शिवकुमार की एक जाबांज टीम ने दिल्ली पुलिस के सिपाही शिवराज सिंह तोमर की हत्या सहित हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, झपटमारी, रंगदारी, जमीनों पर कब्जे व हथियारों की खरीद–फरोख्त जैसी दर्जनभर से ज्यादा संगीन वारदातों में शामिल कुख्यात बदमाश फिरोज उर्फ फौजी को एक हिसंक मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। इस संबंध में **विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) श्री एस. एन.श्रीवास्तव** ने संवाददाताओं को बताया कि स्पेशल सेल की टीम के साथ हुई हिसंक मुठभेड़ में मारा गया कुख्यात फिरौज उर्फ फौजी न केवल सिपाही शिवराज तोमर की हत्या की वारदात में शामिल था बल्कि वह दिल्ली व उतर प्रदेश में सक्रिय गिरोह का सरगना भी था। 14 जुलाई, 2014 की वारदात की जांच के दौरान पुलिस टीम को सीसीटीवी फुटेज़ और लोगों से पूछताछ के आधार पर पता चला था कि वारदात में फिरौज उर्फ फौजी नामक कुख्यात बदमाश का हाथ है। दिल्ली पुलिस की कई टीमें वारदात में शामिल बदमाशों की गतिविधियों, उनके अभिलेख और छिपने के स्थानों पर नजर रखे हुई थी। पुलिस टीमों ने इन बदमाशों के छिपने के संभावित ठिकानों लोनी, ट्रांस यमुना, मेरठ, यमुना नगर, हरियाणा, आगरा व अजमेर पर छापामारी भी की। परन्तु सफलता नहीं मिली। इसी बीच 7 अगस्त, 2014 को सोनिया विहार पुलिस ने फिरौज उर्फ बिलौरी नामक एक बदमाश को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली। इस बदमाश ने पूछताछ पर स्वीकार किया कि उसने और फिरौज उर्फ फौजी ने ही सिपाही शिवराज की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि 14 जुलाई, 2014 की सुबह ज्योति नगर इलाके में दिल्ली पुलिस के सिपाही शिवराज तोमर की गोली मार कर की गई हत्या की वारदात में शामिल एक बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से सोनिया विहार पुश्ते के पास किसी अन्य बदमाश से मिलने आ रहा है। 19 अगस्त, 2014 को पुलिस टीम ने सूचना पर कार्यवाही करते हुए सोनिया विहार, जीरो पुश्ता पर सुबह लगभग 4/5 बजे मोटरसाइकिल पर आ रहे इस बदमाश को टीम ने आत्मसर्म्पण करने के लिए कहा। इस बदमाश ने पुलिस टीम को देखते हुए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस बदमाश की एक गोली इंस्पेक्टर शिव कुमार की बुलेट प्रूफ जैकेट पर जा लगी, जबकि दूसरी गोली पुलिस की जिप्सी पर लगी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में फायरिंग की जिसमें बदमाश फिरोज उर्फ फौजी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस टीम घायल बदमाश को गुरू तेग बहादुर अस्पताल ले गई जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव ने भी बताया कि यह बदमाश लोनी इलाके में आतंक का पर्याय बन गया था और उसके अन्य परिजन भी आपराधिक वारदातों में संलिप्त हैं। मृतक बदमाश के माता–पिता मादक द्रव्य पदार्थ अधिनियम के मामलों में शामिल है, जबकि आपराधिक मामलों में शामिल उसका एक भाई इमरान डासना जेल में बंद हैं तथा दूसरा भाई शेरखान उर्फ शेरू भी चोरी व धोखाधडी के कई मामलों में शामिल है।



सिपाही शिवराज की हत्या में शामिल दूसरे अभियुक्त फिरोज उर्फ बिलौरी को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका निभाने वाली उत्तर-पूर्वी जिले की जांबाज पुलिस टीम के सदस्यों से पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 29 अगस्त, 2014 को पुलिस मुख्यालय में मुलाकात की और उन्हें शाबाशी दी। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल व उपायुक्त पुलिस श्री आर.ए. संजीव भी उपस्थित थे।

सम्पादकः जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादकः उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस का वृक्षारोपण एवं स्वच्छता सप्ताह सम्पन्न



12 अगस्त, 2014 को किग्ज़वे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन में दिल्ली सशस्त्र पुलिस द्वारा वृक्षारोपण एवं स्वच्छता सप्ताह अभियान का प्रारंभ किया गया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने वृक्षारोपण कर स्वच्छ व निर्मल वातावरण हेतु विशेष सप्ताह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री अरविन्द दीप, श्री बालाजी श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री एस.के.गौतम, श्री राजेश खुराना सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने भी वृक्षारोपण किया।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि वैसे तो दिल्ली पुलिस अपने भवनों/परिसरों और थाना परिसरों में पेड़–पौधे लगाने के प्रति पहले से काफी जागरूक है। उसी का परिणाम है कि मालवीय नगर, पीटीसी, एन.पी एल. और अन्य आवासीय कॉलोनीयों में प्रचुर मात्रा में पेड़–पौधे होने की वजह से काफी हरियाली है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर दिल्ली में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण सप्ताह का अभियान चलाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस द्वारा भी करीब 10 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है और इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य हैं बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ हवा, हरियाली, फल–फूलों के लिए पेड़–पौधों की नितांत आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने समारोह में उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं परिजनों से आह्वाहन किया कि इस स्वतंत्रता दिवस को विस्मरणीय बनाने के उद्देश्य से अपने सभी परिसरों में विशेष सफाई अभियान शुरू करने के साथ–साथ पेड़–पौधे लगाने पर उत्साहपूर्वक काम करें। पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने ऐसी 17 पुलिस कॉलोनियों, परिसरों एवं अन्य भवनों को चिन्हित किया है। जिनके जीर्णोद्धार की नितांत आवश्यकता है। इस कार्य को पूरा करने के लिए गृह मंत्रालय से अतिरिक्त फंड उपलब्ध कराने के सफल प्रयास किये गये हैं।



पुलिस मुख्यालय द्वारा पुलिस कॉलोनियों/परिसरों एवं भवनों में साफ–सफाई के लिए विशेष अभियान चलाने का आहवान किया गया।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि सभी पुलिस कॉलोनियों एवं थानों में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए। इसके लिए दिल्ली सरकार के वातावरण एवं वन विभाग से आवश्यकतानुसार पौधों को अनुगृह करके प्राप्त किया जा सकता है। पुलिस भवनों/थानों/परिसरों में साफ–सफाई अभियान के दौरान दिल्ली नगर निगम/नई दिल्ली नगर निगम एवं पुलिस कॉलोनियों के स्थानीय निवासियों से भी मदद ली जा रही है। पीसीआर स्टाफ एवं यातायात पुलिसकर्मियों से भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सड़क किनारे, खाली पड़े सरकारी स्थलों या सार्वजनिक स्थानों पर ठेकेदारों या अन्य किसी द्वारा मलवा न डाला जाए। निर्देश में यह भी कहा गया है कि पुलिसकर्मियों को मृत्यु के उपरांत अंगदान के लिए प्रेरित किया जाए। दिल्ली नगर निगम/नई दिल्ली नगर निगम जैसे सिविल प्राधिकरणों द्वारा हटाये जा रहे अतिक्रमण में पुलिस द्वारा यथासंभव मदद की जाए। इस स्वच्छता और वृक्षारोपण सप्ताह के दौरान ही यातायात संकेतों की मरम्मत और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जाए। जिला/यूनिटों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करें।





रक्षा बंधन के पर्व पर स्वयंसेवी संगठन (प्रयास)की लड़कियों ने पुलिस आयुक्त को राखी बांधी

7 अगस्त, 2014 को ''प्रयास'' नामक स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) के संरक्षण/देखरेख में रह रही कुछ साधनवंचित एवं बेसहारा लड़कियों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी को राखी बांधी। पुलिस आयुक्त ने इन लड़कियों को उनकी इस भावना के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें आर्शीवाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गरीब और अनाथ बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दिल्ली पुलिस दिल्ली की महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मदर डेयरी का उद्घाटन



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी** ने 17 अगस्त, 2014 को लोधी कॉलोनी स्थित पुलिस कॉलोनी में मदर डेयरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला श्री बी.एस. जायसवाल, अति0उपायुक्त पुलिस श्री राजीव रंजन, एसीपी डिफेंस कॉलोनी श्री दीपक गौरी, मदर डेयरी के सी.ई.ओ. श्री संदीप घोष उपस्थित थे। इस मौके पर श्रीमती सुनीरा बस्सी ने कहा कि दिल्ली पुलिसकर्मी कड़ी ड्यूटी करते हैं इसीलिए उन्हें स्वच्छ खाना, पानी और अच्छा वातावरण मिलना चाहिए। दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति पुलिस कॉलोनियों में सफाई व पानी की आपूर्ति के साथ–साथ अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि अन्य पुलिस कॉलोनियों में भी मदर–डेयरी बूथ खोले जायेंगे और ऐसे रचनात्मक कार्य किये जायेंगे जो पुलिसकर्मियों के लिए हितकारी साबित हों।



स्टैसिंल वर्कशॉप



16 अगस्त 2014 को दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी ने पुलिस कॉलोनी, आईटीआई हौजखास में स्टार्ट इंडिया फाउडेंशन की मदद से आयोजित ''स्टैसिंल वर्कशॉप'' प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम, उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला श्री बी.एस.जायसवाल भी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में स्कूल के लगभग 50 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर श्रीमती सुनीरा बस्सी ने कहा कि जीवन में चित्रकारी की कला का बहुत बड़ा महत्व हैं। जो मनों की भावनाओं को व्यक्त करने का भी एक बड़ा सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने स्टार्ट फाउंडेशन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी चित्रकला प्रतियोगिताओं से देश की पारंपरिक कलाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने स्टार्ट फाउंडेशन की कार्यशैली और स्ट्रीट आर्ट पर पेंटिंग की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी फाउंडेशन ने रिकार्ड समय पांच दिनों के अन्दर पुलिस मुख्यालय की इमारत पर महात्मा गांधी के चित्र की पेंटिंग को पूरा कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया था। यह प्रतियोगिता पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए आयोजित की गई थी ताकि उनमें कला के प्रति अभिरूचि पैदा हो।



पुलिस मुख्यालय में अंतर्राज्यीय पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक सम्पन्न



23 जुलाई, 2014 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में अंतर्राज्यीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक सम्मान हुई। जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उतराखंड व जम्मू व कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक के दौरान ईद उल फितर, स्वतंत्रता दिवस, कांवड यात्रा को ध्यान में रखते हुए किरायेदारों की जांच–पड़ताल, पुलिसकर्मियों की इलाके में उपस्थिति बढ़ाने, साइबर कैफे, प्रापर्टी डीलर, कार डीलर्स, ट्रांसपोटर्स व एसटीडी बूथों पर विशेष निगाह रखने व परस्पर सूचनाओं के आदान–प्रदान करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने 27 मार्च, 2014 को तालकटोरा स्टेडियम में तत्कालीन गृहमंत्री द्वारा शुरू की 'लॉस्ट रिपोर्ट' व 8 मई, 2014 को विज्ञान भवन में उपराज्यपाल महोदय द्वारा लॉच की गई दिल्ली यातायात पुलिस की 'मोबाइल एप्लिकेशन' और 'अपग्रेडिड वेबसाइट' की अपार सफलता के बारे में पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बताया। परस्पर समन्वय व सहयोग के आधार पर आयोजित इस बैठक में विचार–विमर्श किया गया कि दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को और अधिक सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए हर स्तर पर बेहतर समन्वय होना चाहिए। इस बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा आस–पास (एनसीआर) के राज्यों की पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल



है.कां. देवेन्द्र



है.कां. संजय



है. का. जितेन्द्र



है. का. प्रवीण



कां. प्रसाद एम.आर



का. रोबिन मलिक

सर्वश्रेष्ठ टर्नआउट कां.



कां मनोज (पीटीसी)



कां. कपिल (प्रथम वाहिनी)

हमारे प्रतिभाशाली नौनिहाल



पूजा यादव
पुत्री है.कां. विक्रम सिंह
एमबीबीएस में चयनित



सीमरथ सिंह तलवार
पुत्र इं. जगजीत कौर
12वीं कक्षा में श्रेष्ठ अंक



सार्थक जोशी
पुत्र एसआई कैलाश चन्द
12वीं कक्षा में टॉपर

पासपोर्ट वरिफिकेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



विशेष शाखा द्वारा 15 व 16 जुलाई, 2014 को आसफ अली रोड़ स्थित पुलिस भवन में पासपोर्ट वरिफिकेशन संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्री एस.बी.के. सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर, उपायुक्त पुलिस श्री मिलिंद डूम्ब्रे के अलावा काफी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान 150 पुलिसकर्मियों को गहन प्रशिक्षण दिया गया कि पासपोर्ट वरिफिकेशन के दौरान क्या–क्या सावधानियॉ और व्यवहार अमल में लाना चाहिए। पासपोर्ट जांच अधिकारी को सफारी सूट पहनने के साथ–साथ अपना पहचान पत्र भी डिस्पले करना चाहिए। पासपोर्ट जांच पड़ताल की व्यवहारिक शिक्षा पर आधारित इस कार्यशाला में 25 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पासपोर्ट जांच पडताल के दौरान जांच पुलिसकर्मी व आवेदनकर्ता के बीच परस्पर बातचीत एवं व्यवहार कुशलता कैसी होनी चाहिए। इसके अलावा जांच अधिकारी का प्रभावशाली व्यक्तित्व, पेशेवर, नीतिगत व्यवहार व परिचालन प्रक्रिया में दक्ष होना था। कार्यशाला के अंतिम चरण में प्रश्न–उत्तर सत्र हुआ। जिसमें प्रशिक्षणार्थियों से उनकी कार्य दक्षता के बारे में प्रतियोगिता आयोजित की। विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के. सिंह ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एएसआई सुरेश चंद को 5000 रूपये नगद व प्रशंसा पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले एएसआई देवेन्द्र सिंह को 3000 रूपये व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एएसआई विजय कुमार को 2000 रूपये नगद व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।



राशन मनी 67.55 से बढ़कर 85.96 प्रति व्यक्ति-प्रतिदिन हुई

भारत सरकार के गृह मंत्रालय (पुलिस फाइनेंसिंग विंग) द्वारा 25 जुलाई, 2014 को जारी एक परिपत्र (सं0 27012/66/2008 पी. एफ.1, दि0 25/07/2014) के अनुसार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जिसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल हैं, के अराजपत्रित कर्मियों को मिलने वाली राशन मनी को 67.55 रूपये से बढ़ाकर 85.96 पैसे किया गया है। संशोधित राशन मनी पत्र जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी। जारी पत्र के अनुसार प्रतिदिन 18.40 रूपये की दर से बढ़ने वाली यह राशि 01.04.2013 से लागू होगी जबकि उसका एरियर वित मंत्रालय द्वारा बजट उपलब्ध कराने की स्थिति में आवंटित किया जाएगा। इस सन्दर्भ में अधिक जानकारी के लिए कृपया मूल पत्र की प्रति देखें।



12 अगस्त 2014 को उपराज्यपाल श्री नजीब जंग ने दरीबा ज्वैलर्स/सर्राफा एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीसीटीवी कैमरा प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा के अलावा ज्वैलर्स/सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

आस-पड़ोस निगरानी योजना के तहत सिविल लाइन इलाके में 67 सीसीटीवी कैमरों का पुलिस आयुक्त द्वारा उद्घाटन



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 3 अगस्त, 2014 की शाम सिविल लाइन इलाके में स्थित शाह ऑडिटोरियम में दिल्ली पुलिस की आस–पड़ोस निगरानी योजना (नेबरहुड वाच स्कीम) के तहत 67 सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, श्री संजय बेनीवाल, श्री दीपेन्द्र पाठक, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रणबीर सिंह, उपायुक्त पुलिस उत्तरी जिला श्री मधुर वर्मा के अलावा आवास कल्याण समिति **'क्लब क्लास'** के पदाधिकारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। 'क्लब क्लास' के सहयोग से फिलहाल 3.1 मेगा पिक्सल के 67 सीसीटीवी कैमरे इलाके में लगाए गये हैं। इन 67 कैमरों की मदद से सिविल लाइन के 16 छोटे–बड़े स्थानों के अलावा लगभग 2000 परिवारों को कवर किया जा सकेगा। इन सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग 30 दिन तक सुरक्षित रहेगी और रिकार्डिंग की फुटेज के उपकरण आर. डब्लू.ए पदाधिकारियों के अलावा सिविल लाइन थाने में लगाये गये हैं।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने आरडब्लूए के पदाधिकारियों एवं नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के निरंतर बढ़ते शहरीकरण एवं जनसंख्या घनत्व से न केवल चुनौतियॉ बढ़ी है बल्कि पुलिस की जिम्मेदारियॉ भी बढ़ी हैं। हालांकि दिल्ली पुलिस ऐसी चुनौतियों और जिम्मेदारियों का हरसंभव डटकर सामना करते हुए उन्हें ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करती है। परन्तु यह भी संभव नहीं है कि हर जगह–हर समय पुलिसकर्मी उपस्थित हो सके। ऐसी स्थिति में सीसीटीवी कैमरे, आपसी निगरानी योजना व नागरिकों का सहयोग पुलिस के लिए काफी हद तक मददगार साबित होगा। दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्यशैली में नई तकनीक का प्रयोग करते हुए इससे पहले भी दिल्ली की सीमाओं व मुख्य बाजारों में सरकारी फंड से सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये हैं। पुलिस का प्रयास है कि स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, व्यापारियों ,आरडब्लूए पदाधिकारियों की मदद से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए ताकि अपराध और अपराधियों पर अकुंश लगाया जा सके।

इस मौके पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि आधुनिक उपकरणों की मदद से सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के साथ–साथ दिल्ली शहर को सुरक्षित एवं रक्षित रखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने ''नेबरहुड वॉच स्कीम'' के तहत स्थानीय नागरिकों को जोड़ा है और उन्हें सभाओं, प्रचार माध्यमों से जागरूक किया है कि वे अपने नौकरों, चौकीदारों, किरायेदारों का पुलिस सत्यापन करायें व घरों में मैजिक आई, डोर–बेल, ग्रील, वाहन चोरी विरोधक उपकरण लगवाने के साथ–साथ अपने–अपने पड़ोसियों से परस्पर मधुर संबंध बनाये रखें। ऐसे उपकरणों की व्यस्त बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, घनी आबादी वाले रिहायशी मकानों, मॉलों, व कॉलोनियों आदि में स्थापित कराने से अपराधों की रोकथाम करने और अपराधियों को पकड़ने में काफी आसानी हो सकती है।



'क्लब क्लास' के पदाधिकारी एवं दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

अनेकता में एकता हमारी पहचान



18 जुलाई, 2014 की शाम नागरिक सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित एक रोज़ा इफ्तार पार्टी में सभी समुदाय व धर्मो के अधिकारियों, नेताओं और गणमान्य नेताओं ने भाग लिया। आपसी सौहार्द और सद्भाव की इस रोजा इफ्तार पार्टी में विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त (मध्य परिक्षेत्र) श्री संदीप गोयल, उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला) श्री आलोक कुमार ने भी शिरकत की। नागरिक सुरक्षा समिति के अध्यक्ष श्री अनुज कुमार के साथ–साथ इस मौके पर शाही इमाम मोहम्मद मुफ्ती मुकर्रम, जत्थेदार रंजीत सिंह सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

आग पर काबू पाने में पुलिसकर्मियों ने शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया



22 जुलाई, 2014 की भौर के समय अचानक पुलिस मुख्यायल स्थित केन्द्रीय पुलिस कंट्रोल रूम के इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल कॉआर्डिनेशन एंड कम्यूनिकेशन (C4-I) में आग लग गई। कुछ मिनटों के लिए अफरा–तफरी फैल गई। उस समय रात्रि पाली में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों एसआई आनंद सिंह मीणा, हैडकां0 विनोद कुमार शर्मा, हैडकां0 ओमप्रकाश, हैडकां0 मधुसूदन, हैडकां0 राजसिंह, हैडकां0 समेश कुमार व हैडकां0 योगेन्द्र ने अपने अच्छी सूझबूझ व निष्ठा से काम करते हुए आग को बुझाने और आग को ज्यादा न फैलने देने के लिए प्रशंसनीय प्रयास किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इन जाबांज पुलिसकर्मियों की अच्छी सूझबूझ और समय पर की गई कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए उन्हें शाबाशी दी।

1434 महिला सिपाही की भर्ती प्रक्रिया पूरी

13 जुलाई, 2014 को दिल्ली में आयोजित महिला सिपाहियों का परीक्षा परिणाम 7 अगस्त, 2014 को घोषित कर दिया गया। जिसमें कुल 1434 महिलाओं को सिपाही पद के लिए चयनित किया गया है। देश के विभिन्न राज्यों से चयनित इन महिलाओं में 748 सामान्य वर्ग, 380 अन्य पिछड़ा वर्ग, 197 अनुसूचित जाति वर्ग तथा 109 अनुसूचित जन–जाति वर्ग से संबंधित है। जबकि 72 महिलाओं के परिणाम को सुरक्षित सूची में रखा गया है ताकि चयनित महिलाओं में से किसी कारणवश ड्यूटी ज्वाइन न करने की स्थिति में वरिष्ठता के आधार पर इनमें से चयन किया जा सके। महिला सशक्तिकरण की तरफ बढ़ता दिल्ली पुलिस का यह एक शानदार कदम हैं।

सामाजिक सेवाओं, विशेषकर सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं श्री सूरज प्रकाश वैद



सूरज प्रकाश वैद

आज की भाग–दौड़ भरी जीवन शैली में जहां लोग अपनी व्यस्तता के चलते अपनों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। वहीं पूर्वी जिला में रहने वाले श्री सूरज प्रकाश वैद हैं जो हमेंशा अपने मन में यही भाव रखते हैं कि मैं किसके क्या काम आ सकता हूँ। अपने इसी भाव के चलते मानव सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। फिलहाल पूर्वी जिला में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा एवं रक्षा के लिए गठित समिति के सदस्य श्री सूरज प्रकाश वैद सदैव निःस्वार्थ भाव से लोगों की मदद कर रहे हैं। विशेषकर सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने, उनके परिजनों को सूचित करने व समय पर चिकित्सा सहायता मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी इसी निस्वार्थ एवं समर्पित सेवा भावना को स्थानीय नागरिकों एवं पुलिस अधिकारियों ने समय समय पर सराहा है। दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा संबंधी विचार–विमर्श या कार्यशालाओं के दौरान अक्सर उपस्थित रहने वाले श्री वैद वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बहुमूल्य सुझाव भी देते रहते हैं। दिल्ली पुलिस में उनके इस सुझाव को भी काफी गंभीरता से लिया गया कि ''पुलिस थानों में प्रति दिन लिखी जाने वाली डेली–डायरी को साफ व सुन्दर हस्तलेख से लिखा जाना चाहिए''। हालांकि इस संबंध में पहले से ही स्पष्ट निर्देश हैं कि पुलिस कार्यवाही को हमेशा बिल्कुल साफ व सुन्दर शब्दों में लिखा जाना चाहिए।

देर रात परेशान खड़ी महिला की मदद कर कां. संजय यादव ने अपने कर्तव्य को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभाया



कां0 संजय यादव

पूर्वी जिला के थाना मधु विहार में तैनात कां0 संजय यादव ने 2 अगस्त, 2014 की देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर गश्त के दौरान एक महिला को अपनी कार के साथ परेशान हालत में खड़ी हुए देखा। रात्रि के समय महिला को अकेला खड़ा देख मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी निभा रहा कां0 संजय उसी समय महिला के पास गया और किसी प्रकार की मदद का आग्रह किया। रात्रि के समय स्वयं को काफी असहज महसूस कर रही इन्दरापुरम् निवासी सुश्री सोनू वंदना छाबड़ा ने कां0 संजय को बताया कि उसकी कार पंचर हो गई और काफी समय से हैल्पलाइन वालों को इंतजार कर रही है। कां0 संजय ने एक जिम्मेवार पुलिसकर्मी का दायित्व निभाते हुए अपने साथ गश्त कर रहे होमगार्ड विकास को महिला की सुरक्षा के लिए वहीं मौके पर छोड़ा और स्वयं निकट के पैट्रोल पम्प से एक मिस्त्री को मोटरसाइकिल पर बैठा कर लाया और उसकी मदद से महिला की कार का टायर बदलवाया। महिला को राष्ट्रीय राजमार्ग तक सुरक्षित छोड़ते हुए अपना टेलीफोन नं0 देकर रास्ते में पुनः किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न होने पर मदद के लिए आग्रह किया। पुलिसकर्मी की इतनी मददगार छवि देकर सुश्री छाबड़ा बेहद प्रभावित हुई और कां0 संजय का शुक्रिया अदा किया। अगले दिन महिला ने पुलिस मुख्यालय में एक ई–मेल भेज कर कां0 संजय की मदद के लिए धन्यवाद दिया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ टोल फ्री नं0 1064 की शुरूआत

दिल्ली पुलिस प्रशासन का सदैव यही प्रयास रहता है कि विभाग की छवि पूर्णतया उज्ज़वल और निष्कंलक रहे और विभाग में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार व्याप्त न हो। इस दिशा में कदम उठाते हुए सतर्कता शाखा के अतंर्गत भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के लिए एक टोल फ्री नं0 1064 की शुरूआत की गई है। इसी सन्दर्भ में 6 अगस्त, 2014 को प्रमुख समाचार पत्रों में एक विज्ञापन देकर '' मेरा फोन.... भ्रष्टाचार के विरूद्ध मेरा हथियार'' लोगों को जागरूक किया है। विज्ञापन में कहा गया है कि चौबीसों घंटे–सातों दिन भ्रष्टाचार के खिलाफ दूरभाष 1064/1800111064 व मोबाइल नं0 9910641064 पर शिकायत दर्ज कराने के अलावा अपनी शिकायत की ऑडियो/वीडियो रिकार्डिंग भी भेज सकते हैं। jtcp-vigilance-dl@nic.in पर ई–मेल भी की जा सकती है। दिल्ली पुलिस द्वारा नागरिकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया है।



पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार से दूर रहें: पुलिस आयुक्त श्री बस्सी

13 अगस्त, 2014 को पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने शाह ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को बेईमानी से दूर रह कर अपनी ईमानदारी के पैसों से जीवन यापन करना चाहिए। यदि कोई सोचता है कि बेईमानी से कमाए पैसों से उसकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी, यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। ऐसी जिंदगी केवल दिखावे की होती है। ईमानदारी से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि दूसरे सहकर्मी भी उसकी तरफ आकर्षित होते हैं। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से भी कहा कि प्रतिदिन की ब्रीफिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को भ्रष्टाचार से दूर रहने को आगाह करें। बैठक में मौजूद विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा ने पुलिसकर्मियों को शपथ लेने को कहा कि वे भ्रष्टाचार से दूर रहेंगे और किसी भी कीमत पर रिश्वत नहीं लेंगे।

योग शिविर एवं मानसिक तनाव से निपटने और प्राथमिक चिकित्सा की महत्ता संबंधी कैम्प आयोजित



द्वितीय वाहिनी के उपायुक्त श्री आसिफ मोहम्मद अली के नेतृत्व में 18 जुलाई, 2014 को नई पुलिस लाइन स्थित बैरक नं0 16 में स्वास्थ्य संबंधी एक कैम्प का आयोजन किया गया। गुडगांव स्थित मेदांता अस्पताल के अनुभवी चिकित्सों की देखरेख में सम्पन्न हुए इस कैम्प में द्वितीय वाहिनी एवं चतुर्थ वाहिनी के पुलिसकर्मियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराने के साथ–साथ मानसिक तनाव से निपटने और समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा के बारे में टिप्स प्राप्त किये। व्याख्यान के दौरान बेसिक लाइफ स्पोर्टस, कृत्रिम भवास और मानसिक तनाव से निपटने के बारे में पुलिसकर्मियों को विस्तार से बताया गया। इस कैम्प का मुख्य उद्वेश्य पुलिसकर्मियों को उनकी लम्बी ड्यूटियों और घरेलू समस्याओं से उत्पन्न होने वाले मानसिक थकान से निज़ात पाने और आपात परिस्थिति में किसी घायल या जरूरतमंद को प्राथमिक चिकित्सा मदद कैसे पहुंचाई जाए, से अवगत कराना था। प्रथम वाहिनी के उपायुक्त पुलिस श्री नोरबू शेरिंग के नेतृत्व में योग गुरू के नाम से प्रसिद्ध श्री पुष्पेन्द्र के मार्ग दर्शन में योग शिविर सम्पन्न हुआ। इस योग शिविर में दिल्ली पुलिसकर्मियों एवं परिजनों ने भाग लिया



भूतपूर्व पुलिस आयुक्त श्री सुभाष टंडन का निधन


स्व. श्री सुभाष टंडन

दिल्ली पुलिस के भूतपूर्व पुलिस आयुक्त श्री सुभाष टंडन का 18 जुलाई, 2014 को दिल्ली में निधन हो गया। राजस्थान कैडर के 1952 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी श्री सुभाष टंडन ने अप्रैल 1982 से नवम्बर–1984 तक दिल्ली पुलिस आयुक्त के तौर पर दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व किया था। कुशल प्रशासक अत्यंत विनम्र और दृढ़ निश्चयी रहे श्री टंडन का अंतिम संस्कार 18 जुलाई की दोपहर लोधी कॉलोनी स्थित शमशान भूमि में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी सहित भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि

श्रद्धाजंलि :– मई व जून माह, 2014 के दौरान विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 37 पुलिसकर्मियों की भिन्न–2 कारणों से असमय मृत्यु हो गई। दिल्ली पुलिस परिवार अपने इन सभी दिवंगत साथियों के आश्रितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **मई माह के दौरान हुए दिवंगत 17 साथियों में शामिल हैं:–** एसआई राजेन्द्र सिंह व कां0 सतीश कुमार (प्रथम वाहिनी), एसआई रिसाल सिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), एसआई ओमप्रकाश (दक्षिण–पूर्वी जिला), एसआई लल्लन प्रसाद (पूर्वी जिला), एएसआई रामरतन (पी.एंड.एल), हैडकां0 हस्सानार (संचार शाखा), हैडकां0 देवेन्द्र सिंह हैडकां0 फूल कंवर, महिला कां0 मीनू अंतिल, कां0 सतीश कुमार, कां0 मनोज कुमार, (पीसीआर) महिला एएसआई अंजूला रानी व हैडकां0 सुरेन्द्र सिंह (तृतीय वाहिनी), कां0 कृष्ण कुमार (मध्य जिला), कां0 सोमबीर सिंह (द्वितीय वाहिनी) तथा कां0 मुकेश कुमार (सुरक्षा)। **जून माह के दौरान दिवंगत हुए 20 साथियों में शामिल हैं :** इंस्पेक्टर (मिनिस्ट्रीयल) हरीश चन्द्र (नई दिल्ली जिला), एएसआई नरेन्द्र कुमार, कां0 जयराम व कां0 माना राम (यातायात), हैडकां0 सुखदेव सिंह (तृतीय वाहिनी), एएसआई प्रवेश कुमार, एएसआई सतवीर सिंह व एमटीएस सरिता रानी (बाहरी जिला), कां0 दयानन्द व कां0 नरेश कुमार (पीसीआर), एमटीएस विमल कुमार (पुलिस मुख्यालय), कां0 सुरेश कुमार (उत्तर–पश्चिमी जिला), कां0 रामचन्द्र (सातवीं वाहिनी), हैडकां0 देवेन्द्र कुमार चतुर्वेदी (संचार शाखा), कां0 लालजी राम व कां0 उमेश कुमार (पूर्वी जिला), एमटीएस पूरण सिंह (पश्चिमी जिला), कां0 विजय पाल (दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां0 राकेश तोमर (दक्षिणी जिला) तथा कां0 केशव सिंह (प्रथम वाहिनी)।

स्थानांतरण, पदोन्नति एवं स्थाईकरण संबंधी खबरें

7 अगस्त, 2014 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी स्थानांतरण आदेशानुसार अधोलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। **श्रीमती विमला मेहरा** महानिदेशक तिहाड़ जेल से विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), **श्री अमूल्य कुमार पटनायक** (1985) मिजोरम से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (सतर्कता), **श्री पी.कामराज** (1987) पुदुचेरी से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (मुख्यालय), **श्री अरविन्द दीप** (1988) अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (भर्ती एवं शस्त्र पुलिस), **श्री बालाजी श्रीवास्तव** (1988) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (पीएंडएल), **श्री एस.के.गौतम** (1989) संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) से अंडमान निकोबार आईलैंड, **श्री सुनील गर्ग** (1992) संयुक्त पुलिस आयुक्त (परिचालन) से गोवा, **श्री वी. रंगनाथन** (1997) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से गोवा, **श्री एल.एच. शालियाना** (1988) मिजोरम से अरूणाचल प्रदेश, **श्री ए.एस.चीमा.** दिल्ली से चंड़ीगढ़, **श्री विजय सिंह** (2005) गोवा से दिल्ली, **श्री ओमप्रकाश मिश्रा** (2003) गोवा से दिल्ली, **श्री ब्रहम सिंह** (2003) गोवा से दिल्ली, **श्री चिन्मय विस्वाल** (2008) अंडमान निकोबार से दिल्ली, **श्री ब्रिजेश कुमार सिंह** (2003) मिजोरम से दिल्ली, **श्री राजकुमार सिंह** (2006) मिजोरम से दिल्ली, **श्री वी.के. चन्द्रन** (2005) मिजोरम से पुदुचेरी, **श्री ऋषिपाल** (2005) मिजोरम से दिल्ली, **श्री राजेश कुमार** (2005) अरूणाचल प्रदेश से दिल्ली, **श्री साथिया सुन्दरन** (2009) दादर नागर हवेली से दिल्ली, **श्री ईश्वर सिंह** (2005) दादर नगर हवेली से अंडमान निकोबार आईलैंड, **श्री राम निवास मीणा** (2003) दादर नागर हवेली से चंडीगढ़, **श्री आर.के. पांडेय** (2006) दिल्ली से अरूणाचल प्रदेश, **श्री पी. करूणाकरण** (2004) उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला से गोवा, **श्रीमती सिंधु पिल्लै** (2001) उपायुक्त पुलिस उतरी जिला से गोवा, **श्री जोन निहालिया** (2003) दिल्ली से मिजोरम, **श्री किम कामिंग** (2004) दिल्ली से अरूणाचल प्रदेश, **श्री अपूर बितिन** (2002) दिल्ली से अरूणाचल प्रदेश, **श्री एल.टी. हरांचल** (2003) दिल्ली से अरूणाचल प्रदेश, **श्री ए.काओन** (2009) दिल्ली से अरूणाचल प्रदेश, **सुश्री बैनिटा मैरी जयकर** (2010) उपायुक्त पुलिस लाइसेंसिंग से दादर नागर हवेली, **श्री अमित शर्मा** (2010) उपायुक्त पुलिस यातायात सी. आर रेंज से अरूणाचल प्रदेश, **डॉ ईश सिंघल** (2010) अति. उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला से दादर नागर हवेली, **श्री परवेज अहमद** (2005) पुदुचेरी से दिल्ली।

28 अगस्त को जारी स्थानांतरण आदेश

28 अगस्त, 2014 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार अधोलिखित 20 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरित हुए हैं। श्री अतुल कटियार अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सशस्त्र पुलिस) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (लाइसेसिंग), डॉ0 ए.के.सिंह अतिरिक्त आयुक्त पुलिस लाइसेसिंग से (सशस्त्र पुलिस), श्री बी.भांकर जायसवाल उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला से उपायुक्त पुलिस (यातायात दक्षिणी रेंज), श्री भैरों सिंह गुज्जर उपायुक्त पुलिस सुरक्षा–1 से उपायुक्त (पुलिस सुरक्षा पीएम), श्री ब्रिजेश कुमार सिंह मिजोरम से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), श्री ब्रहम सिंह गोवा से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त (पुलिस पीसीआर), श्री पी.करूणाकरण उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला से (प्रशिक्षण के लिए प्रस्थान), श्री राजीव रंजन उपायुक्त पुलिस पीसीआर से उपायुक्त (पुलिस स्पेशल सेल), श्री प्रेमनाथ उपायुक्त पुलिस यातायात से उपायुक्त पुलिस (दक्षिणी जिला), श्री राजेश कुमार अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (सातवी वाहिनी), श्री ऋषिपाल मिजोरम से स्थानातरित होने पर अति.उपा. (उत्तर–पश्चिमी जिला), श्री परवेज अहमद पुदुचेरी से स्थानांतरित होने पर (उपायुक्त पुलिस सुरक्षा), श्री मंदीप.एस. रंधावा अति.उपा.पुलिस–1 पूर्वी जिला से उपायुक्त पुलिस (दक्षिण–पूर्वी जिला), श्री पुष्पेन्द्र कुमार अति. उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला से अति.उपा.पुलिस–1 (पूर्वी जिला), श्री राजकुमार सिंह मिजोरम से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (पीसीआर ऑप्स), श्री महेश भारद्वाज उपायुक्त पुलिस सातवीं वाहिनी से अति. उपायुक्त पुलिस –1 (दक्षिण–पूर्वी जिला), श्रीमती श्वेता चौहान अति.उपा.पुलिस नई दिल्ली जिला से अति उपायुक्त पुलिस–1 (बाहरी जिला) श्री उमेश कुमार अति. उपा. पुलिस पीसीआर से अति.उपा.पुलिस (नई दिल्ली जिला–II), डॉ. जॉय टिर्की अति.उपा.पुलिस भर्ती प्रकोष्ठ अस्थाई प्रभार से स्थाई प्रभार अति.उपा.पुलिस (भर्ती प्रकोष्ठ), श्री राकेश पावरिया अति.उपा.पुलिस मैट्रो अस्थाई प्रभार से स्थाई प्रभार अति.उपा. पुलिस (मैट्रो)।

विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री आलोक कुमार वर्मा महानिदेशक (दिल्ली जेल) के पद पर स्थानांतरित



5 अगस्त, 2014 को पुलिस मुख्यालय स्थित सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक सादे समारोह में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने **विशेष पुलिस आयुक्त श्री अलोक कुमार वर्मा** के महानिदेशक (दिल्ली जेल) के पद पर स्थानांतरित होने पर विदाई दी। पुलिस आयुक्त ने श्री वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनको उनके नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, श्री एस.बी.के सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री एस. के. गौतम, श्री तेजेन्द्र लूथरा, श्री एस.दास, श्री रविन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री हरेन्द्र कुमार, श्री जी. एस.अवाना व उपायुक्त पुलिस श्री महेश बत्रा उपस्थित थे।

दिल्ली पुलिस से स्थानांतरित वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण









संघ शासित प्रदेशों में स्थानांतरित होने वाले 7 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों में शामिल हैं:– संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सुनील गर्ग, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री ए.एस.चीमा, वाइस प्रिसिंपल पीटीएस श्री अपूर ब्रितीन, उपायुक्त पुलिस श्री एल. टी. हरांचल, अति0उपायुक्त पुलिस श्री ए. काओन, उपायुक्त पुलिस श्री अमित शर्मा तथा अडि0 उपायुक्त पुलिस डॉ0 ईश सिंघल। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने स्थानांतरित होने वाले पुलिस अधिकारियों को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। विदाई समारोह के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन.श्रीवास्तव, श्री ताज हसन, श्री पी.कामराज, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री अरविन्द दीप तथा उपायुक्त पुलिस हरेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

31 जुलाई 2014 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी






एसीपी श्री वेदप्रकाश | एसीपी श्री विरेन्द्र कुमार दहिया | एसीपी श्री अशोक कुमार | एसीपी श्री रामकंवर






एसीपी श्री विरेन्द्र कुमार कालिया | एसीपी श्री हेमचन्द | एसीपी श्री इकबाल मोहम्मद | एसीपी श्री बालकृष्ण शर्मा

सिपाही शिवराज की बदमाशों द्वारा गोली मार कर हत्या

14 जुलाई, 2014 की सुबह उत्तर–पूर्वी जिला के थाना जाफराबाद में तैनात सिपाही शिवराज (45) की कुछ बदमाशों ने ज्योति नगर स्थित गली नं. 1 में गोली मार कर हत्या कर दी। इस संबंध में थाना शाहदरा में मामला दर्ज किया गया। वर्ष 1988 में दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुए शिवराज वर्तमान में दुर्गापुरी विस्तार कॉलोनी में अपने परिवार सहित रहते थे, जबकि मूलरूप से वह बागपत (उत्तर प्रदेश) जिला के बरवाला गांव के रहने वाले थे। शिवराज के परिवार में उनकी पत्नी रेणु, पुत्र अजय (15), भाई व दो भतीजे दुर्गापुरी स्थित मकान में संयुक्त रूप से रहते हैं। सिपाही शिवराज की हत्या में शामिल एक कुख्यात बदमाश फिरोज उर्फ फौजी को स्पेशल सेल की एक टीम ने 19 अगस्त को एक मुठभेड़ के दौरान मार गिराया जबकि दूसरे बदमाश को 7 अगस्त, 2014 को सोनिया विहार पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।